राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 50 | जौनपुर शुक्रवार, 03 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

सरकारों ने लंबे समय तक संघ को नहीं दी प्राथमिकता : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के राष्ट्र के प्रति योगदान को रेखांकित करने वाला विशेष रूप से डिजाइन एक स्मारक डाक टिकट और सिक्के को जारी किया। इस साल विजयदशमी से लेकर 2026 विजयदशमी तक संघ शताब्दी वर्ष मनाएगा। पीएम मोदी डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें संघ जैसे संगठन का शताब्दी वर्ष देखने को मिल रहा है। उन्होंने स्वयंसेवकों शुभकामनाएं दीं और संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार

को श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने समारोह के दौरान कहा, आज महानवमी है। आज देवी सिद्धिदात्री का दिन है। मैं सभी देशवासियों को नवरात्रि की बधाई देता हूं। कल विजयादशमी का महापर्व है– अन्याय पर न्याय की जीत, असत्य पर सत्य की जीत, अंधकार पर प्रकाश की जीत है। विजयदशमी भारतीय संस्कृति के इस विचार और विश्वास का कालजयी उद्घोष है। ऐसे महान पर्व पर 100 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना ये कोई संयोग नहीं था। ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनरुत्थान था। जिसमें राष्ट्र चेतना, समय समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए–नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। उन्होंने बताया कि संघ की 100 वर्ष की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में आज भारत सरकार ने विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के जारी किए हैं। पीएम ने जारी किए गए सिक्के की विशेषता बताते हुए कहा, 100 रुपए के सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय चिन्ह है और दूसरी ओर सिंह के साथ वरद–मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि है। भारतीय मुद्रा पर भारत माता की तस्वीर संभवतरू स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है। इस सिक्के के ऊपर संघ का बोध वाक्य भी अंकित है– राष्ट्राय स्वाहा, इदं राष्ट्राय इदं न मम। के स्वयंसेवक भी 26 जनवरी की परेड में शामिल हुए थे। उन्होंने बहुत आन–बान–शान से राष्ट्रभक्ति की धुन पर कदमताल किया था।

सनातन आस्था में नारी शक्ति को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया : सीएम योगी

गोरखपुर, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं गुरुवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीवन के किसी भी पक्ष में नारी शक्ति के बगैर सृष्टि की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नारी शक्ति के प्रति सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए इसी भाव के साथ अनेक कार्यक्रम चला रही है। इन कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप सुखद तथ्य यह है कि आबादी के दृष्टिकोण से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश के महिलाओं के प्रति अपराध न्यूनतम है। जबकि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध के मामले में यह प्रदेश देश में नम्बर वन है। मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि में कन्या पूजन के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्मावलंबी वर्ष में दो बार शारदीय और वासंतिक नवरात्र में जगतजननी मां भगवती दुर्गा के नौ स्वरूपों के पूजन व अनुष्ठान के कार्यक्रम से श्रद्धा और उल्लास से जुड़ते हैं। सनातन परंपरा में मातृ शक्ति व नारी शक्ति के प्रति आस्था का यह पर्व नई प्रेरणा प्रदान करता है। नवरात्र का यह पर्व अवगत कराता है कि चराचर जगत की आदि शक्ति, नारी शक्ति का ही रूप हैं।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में आफत की बारिश ने बिगाड़ा दशहरा का रंग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार को दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में हल्की बारिश और बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। इसके अलावा, गुजरात, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों और दक्षिणी क्षेत्र के लिए भी नए मौसम अलर्ट जारी किए गए हैं। दिल्लीवासियों को 1 अक्टूबर को हल्की बारिश और बूंदाबांदी की उम्मीद है। मौसम की स्थिति में बदलाव से तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आने की उम्मीद है, जिससे लंबे समय से चली आ रही गर्मी के बाद निवासियों को कुछ राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी में 1 अक्टूबर को आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी की भविष्यवाणी की है। साथ ही, अधिकतम तापमान 34–36 और न्यूनतम तापमान 25–27 के बीच रहने की उम्मीद है। मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुई भारी बारिश के कारण दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में जलभराव और ट्रैफिक जाम की सूचना मिली। मंगलवार तक, सुबह 8रू30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच, शहर के प्राथमिक मौसम केंद्र ने 37.8 मिमी बारिश दर्ज की, जिससे अक्टूबर की बारिश अपने दीर्घकालिक मासिक औसत 15.1 मिमी से आगे निकल गई। बुधवार सुबह जारी होने वाले 24 घंटे के अंतिम आंकड़े के अनुसार, शहर में बारिश अक्टूबर के औसत से काफी अधिक रहने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

चेन्नई में निर्माणाधीन इमारत के ढहने से नौ प्रवासी मजदूरों की मौत

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एन्नोर थर्मल पावर प्लांट में निर्माण कार्य के दौरान मचान गिरने से हुई एक दुखद घटना में असम के नौ प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई।रिपोर्टों के अनुसार, चार मजदूरों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पाँच अन्य ने स्टेनली अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि गंभीर रूप से घायल हुए कई अन्य लोगों का गहन उपचार किया जा रहा है। तमिलनाडु विद्युत बोर्ड के सचिव डॉ. जे. राधाकृष्णन और टीएएनजीईडीसीओ के अध्यक्ष ने उत्तरी चेन्नई थर्मल पावर स्टेशन के निर्माण स्थल पर संरचना ढहने से घायल हुए श्रमिकों से मिलने के लिए स्टेनली सरकारी अस्पताल का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने विद्युत मंत्री एसएस शिवशंकर और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी तथा तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएएनजीईडीसीओ) के अध्यक्ष के राधाकृष्णन को दुर्घटना स्थल पर तत्काल राहत कार्य की निगरानी करने का आदेश दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गये हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह इस दुर्घटना से दुखी हैं और उन्होंने मृतकों के परिवारों के लिए दो–दो लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की।

अजित पवार ने जर्मनी के साथ सहयोग प्रगाढ़ करने के लिए संयुक्त प्रयास का आह्वान किया

मुबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार को जर्मनी के साथ हरित ऊर्जा, शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग प्रगाढ़ करने के लिए एक संयुक्त स्थायी समिति की आवश्यकता को रेखांकित किया। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक जर्मनी के महावाणिज्य दूत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सह्याद्री गेस्ट हाउस में अजित पवार से शिष्टाचार भेंट की। बयान के मुताबिक इस दौरान

महाराष्ट्र–जर्मनी सहयोग परियोजनाओं, महाराष्ट्र–बाडेन–वुर्टेमबर्ग साझेदारी में प्रगति, कौशल प्रवासन और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर समझौतों के साथ–साथ प्रशिक्षण और अन्य विषयों से संबंधित पहलों की समीक्षा की गई। जर्मन प्रतिनिधिमंडल में महावाणिज्य दूत क्रिस्टोफ हॉलियर और उप महावाणिज्य दूत शामिल थे। बयान के मुताबिक बैठक के दौरान अजित पवार ने आने वाले वर्षों में हरित ऊर्जा, सतत गतिशीलता, स्मार्ट शहरों, अनुसंधान और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, उच्च शिक्षा आदान–प्रदान और सांस्कृतिक संबंधों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र–जर्मनी संयुक्त स्थायी समिति की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया। पवार ने भरोसा दिया कि महाराष्ट्र सरकार राज्य में निवेश करने वाले जर्मन उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने महाराष्ट्र के युवाओं के लिए जर्मनी में रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने की आवश्यकता को रेखांकित किया और जर्मनी में शिक्षा प्राप्त कर रहे भारतीय छात्रों के सामने आने वाली समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया।

जनता की जेब काट रही कांग्रेस : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि जीएसटी बचत उत्सव से राहत मिली है, लेकिन हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार सीमेंट के दाम कम करने के बजाय बढ़ा रही है, जिससे लोगों पर बोझ बढ़ रहा है और प्राकृतिक आपदाओं के बीच अपनी तिजोरी भरने की कोशिश कर रही है। एक वीडियो संदेश में, जेपी नड्डा ने कहा कि एक तरफ जीएसटी बचत उत्सव को लेकर खुशी है, लेकिन दूसरी तरफ, हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार जनता पर कर का बोझ बढ़ा रही है। हम जानते हैं कि हिमाचल प्रदेश बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपदा से उबरने की कोशिश कर रहा है। नड्डा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से, हिमाचल प्रदेश में पुनर्निर्माण को ध्यान में रखते हुए, सीमेंट पर

राहत प्रदान की गई जिससे सीमेंट की कीमतें 30 रुपये तक कम हो गईं... फिर भी, हिमाचल प्रदेश के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल सका क्योंकि हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने सीमेंट के दाम कम करने के बजाय बढ़ा दिए... जब हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक आपदा और वित्तीय समस्याओं से जूझ रहा है, तो आम लोगों को राहत देने के बजाय, कांग्रेस सरकार अपनी तिजोरी भरने की कोशिश कर रही है। उन्होंने इसे अनैतिक और असंवेदनशील बताया कि हिमाचल प्रदेश में निर्मित सीमेंट पड़ोसी राज्यों में कम कीमत पर बेचा जा रहा है, जबकि राज्य के लोगों को अधिक लागत का सामना करना पड़ रहा है। नड्डा ने कहा, ष्यह अनैतिक और असंवेदनशील है। दुर्भाग्य से, जब हिमाचल प्रदेश में निर्मित सीमेंट पड़ोसी राज्यों में बेचा जाता है, तो यह कम कीमत पर उपलब्ध होता है, लेकिन हिमाचल प्रदेश में इसे अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है। कांग्रेस सरकार इतनी असंवेदनशील है कि उसने सीमेंट और पानी के बिल पर कर बढ़ा दिया है... बिजली का बिल भी बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी हिमाचल प्रदेश के लोगों को राहत पहुँचाना चाहते हैं,। लेकिन कांग्रेस सरकार उन्हें परेशान करने का काम कर रही है। यह कांग्रेस सरकार का अमानवीय चेहरा उजागर करता है। इसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है... समय आने पर लोग इस जनविरोधी सरकार को सबक सिखाएँगे। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ढांचे में सुधार, जिसे जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में मंजूरी दी गई थी, 22 सितंबर से लागू हो गया है।

महिला-युवा राजनीति का आधार जाति नहीं, बल्कि बिहारी पहचान है : चिराग पासवान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के अनुसार, बिहार में विपक्ष विधानसभा चुनावों से पहले मुद्दों से विहीन हो गया है और वह अगले कुछ दशकों तक चुनावी रिकॉर्ड के विशेष, कठोर संशोधन का विरोध जारी रख सकता है। इसके साथ ही पासवान ने मंगलवार को कहा कि उनके लिए राजनीति का आधार जाति नहीं, बल्कि बिहारी पहचान है। एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी करने के चुनाव आयोग के फैसले के बारे में पूछे जाने पर, जिसका राजद और कांग्रेस ने कड़ा विरोध किया है, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता ने यह बयान दिया। चिराग ने कहा कि काफी समय से विपक्ष अपनी चुनावी असफलताओं का दोष ईवीएम पर मढ़ता रहा है। अब, अगले कुछ

दशकों तक, वे एसआईआर में ही खामियाँ ढूँढ़ते रहेंगे। हाजीपुर के सांसद ने कहा कि बिहार और अन्य जगहों की तरह, मतदाता सूचियों में निश्चित रूप से सुधार की आवश्यकता है। पासवान के अनुसार, कई दिवंगत लोगों के नाम अभी भी मतदाताओं की सूची में शामिल हैं। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने कहा, विपक्ष लगातार इन चिंताओं को हमारे साथ साझा कर रहा है। अब जबकि कई लाख नामों को हटा दिया गया है, ऐसा प्रतीत होता है कि विसंगतियाँ दूर हो गई हैं। विपक्ष को यह समझना चाहिए कि चुनाव आयोग, जिस पर वे लगातार हमला करते रहते हैं, वही वह प्राधिकरण है जहाँ वे अपनी शिकायतों के निवारण के लिए जा सकते हैं। पासवान ने पटना में संवाददाताओं से कहा, ''मैं 14 करोड़ बिहारियों की बात करूंगा। बिहार फर्स्ट और बिहारी फर्स्ट की बात करूंगा। मेरा दल जातिगत समीकरणों से ऊपर उठकर महिलाओं और युवाओं को प्राथमिकता देने वाली राजनीति में विश्वास करता है।'' उन्होंने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वे लगातार जातिगत समीकरणों की बात करते हैं। पासवान ने कहा, ''तेजस्वी यादव के दिमाग में ईबीसी, ओबीसी, दलित और अन्य जातियां हो सकती हैं, लेकिन हमारे लिए बिहार की जनता सिर्फ बिहारी है। जो नेता एम–वाई (मुस्लिम–यादव) का तमगा गर्व से पहनते हैं, वे हमेशा जाति आधारित राजनीति करते रहेंगे।'' केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी भी एम–वाई समीकरण को मानती है, लेकिन उसका अर्थ है ''महिला और युवा''।

रक्षा विभाग ने सुनिश्चित की सैन्य शक्ति की वित्तीय रीढ़, ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वित्तीय लचीलापन सुनिश्चित करने, संसाधनों का अनुकूलन करने और परिचालन तत्परता बनाए रखने के लिए रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) की सराहना की और इसे भारत के सशस्त्र बलों की मौन लेकिन महत्वपूर्ण रीढ़ बताया। सिंह ने नई दिल्ली में विभाग के 278वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जबकि पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ऐतिहासिक और निर्णायक जीत हासिल करने में सशस्त्र बलों की वीरता और साहस को देखा, डीएडी की मौन लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका ने कुशल संसाधन उपयोग, वित्तीय प्रबंधन और युद्ध की तैयारी सुनिश्चित की। राजनाथ ने रक्षा विभाग को एक ऐसी संस्था

बताया जो न केवल वित्तीय विवेक और पारदर्शिता सुनिश्चित करती है, बल्कि सेनाओं को समय पर संसाधन उपलब्ध कराकर परिचालन तत्परता को भी मजबूत करती है। उन्होंने रेखांकित किया कि रक्षा विभाग केवल एक लेखा संगठन नहीं हैय यह एक ऐसा प्रवर्तक है जो राष्ट्र के आर्थिक चक्र के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करता है। यह एक अदृश्य सेतु है जो वित्त और सशस्त्र बलों को जोड़ता है। हमारे सैनिकों की वीरता के पीछे आपका मौन लेकिन निर्णायक योगदान निहित है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि षकिसी राष्ट्र की शक्ति उसकी वित्तीय नींव की मजबूती में झलकती हैष और बजट के कुशल उपयोग के लिए विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक, पूंजीगत बजट व्यय का 50 प्रतिशत पहले ही बुक किया जा चुका था, ।

रामनाथ कोविंद ने चुनौतियों से लड़कर तय किया राष्ट्रपति पद तक का सफर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आज यानी की 01 अक्तूबर को अपना 80वां जन्मदिन मना रहे हैं। रामनाथ कोविंद पूर्व पीएम मोरारजी देसाई के निजी सचिव और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी रह चुके हैं। इसके अलावा रामनाथ कोविंद ऑल इंडिया कोली समाज के अध्यक्ष पद पर भी रहे हैं। वह बेहद सादगीपूर्ण जीवन जीना पसंद करते हैं। उन्होंने 25 जुलाई 2017 में देश के 14वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर रामनाथ कोविंद के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... उत्तर प्रदेश के कानपुर के परौंख गांव में 01 अक्तूबर 1945 को रामनाथ कोविंद का जन्म हुआ था। कानपुर विश्वविद्यालय से स्नातक पूरा करने के बाद वह दिल्ली आ गए। यहां पर उन्होंने आईएएस की परीक्षा की तैयारी शुरू की और तीसरे प्रयास में उनको कामयाबी भी मिल गई। लेकिन उन्होंने सिविल सर्विस ज्वॉइन नहीं की और वकालत करना शुरूकर दिया। साल 1977 से लेकर 1979 तक वह दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र सरकार के वकील रहे। इसके बाद साल 1980 से लेकर 1993 तक वह सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार के स्थाई काउंसर बने। प्राप्त जानकारी के मुताबिक उन्होंने करीबन 16 सालों तक दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में काम किया है। वहीं साल 1994 में रामनाथ कोविंद की राजनीति में पारी शुरू हुई। वह यूपी राज्यसभा के लिए सांसद चुने गए। इस दौरान वह लगातार दो बार सांसद बनें। फिर साल 2015 में रामनाथ कोविंद बिहार राज्य के राज्यपाल बने और इसके बाद 25 जुलाई 2017 को भारत के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभाला था।

41 मौतों के बाद विजय ने 2 हफ्ते के लिए अपनी सभी रैलियां टालीं

करूर, (एजेंसी)। तमिलनाडु के करूर में एक रैली में भगदड़ से 41 लोगों की मौत के बाद, तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय ने अगले दो सप्ताह के लिए अपनी सभी भावी रैलियाँ स्थगित कर दी हैं। उन्होंने इस हृदय विदारक घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और पीड़ितों से मिलने का संकल्प लिया, साथ ही अपनी पार्टी के गिरफ्तार पदाधिकारियों को बचाने के लिए मुख्यमंत्री से अपील की। यह घटना बड़े राजनीतिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल उठाती है। तमिलनाडु के करूर में अपनी रैली के दौरान भगदड़ में 41 लोगों की मौत के बाद, तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय ने अगले 14 दिनों के लिए अपनी सभी रैलियाँ स्थगित कर दी हैं, पार्टी ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घोषणा 27 सितंबर को करूर में एक राजनीतिक रैली में भगदड़ में महिलाओं और बच्चों सहित

41 लोगों की मौत के बाद की गई है। पार्टी ने तमिल में ग पर पोस्ट किया कि ऐसी स्थिति में जहाँ हम अपने प्रियजनों के नुकसान से दुःखी और दुखी हैं, हमारे पार्टी नेता का अगले दो हफ्तों के लिए जनसभा कार्यक्रम अस्थायी रूप से स्थगित किया जा रहा है। हम आपको अपने पार्टी नेता की स्वीकृति से सूचित करते हैं कि इस जनसभा के बारे में नए विवरण बाद में घोषित किए जाएँगे। घटना के बाद, पार्टी के दो पदाधिकारियों – पार्टी के करूर पश्चिम जिला सचिव मथियाझागन और करूर नगर पदाधिकारी एमसी पौन राज – को गिरफ्तार कर लिया गया है और 14 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इससे पहले 30 सितंबर को, इस घटना पर अपनी पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया में, अभिनेता विजय ने एक भावुक बयान जारी किया और कहा कि ष्मैंने अपने जीवन में कभी इतनी दर्दनाक स्थिति का सामना नहीं किया। मेरा दिल दुख रहा है, मैं बहुत पीड़ा में हूँ। उन्होंने कहा, ष्लोग इस अभियान में मुझसे मिलने आते हैं, इसके पीछे सिर्फ प्यार और स्नेह है। मैंने अपने जीवन में कभी ऐसा दर्द नहीं झेला। मैं जल्द ही पीड़ितों से मिलूँगा।ष्पार्टी पदाधिकारियों की गिरफ्तारी पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को संबोधित करते हुए ।

संपादकीय

कश्मीर भारत–पाकिस्तान के बीच का मामला

कश्मीर को भारत–पाकिस्तान के बीच का मामला बताते हुए अमेरिका द्वारा दोनों मुल्कों के दरम्यान कोई दबंगई न करने का इरादा जताया गया। अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा प्रेस वार्ता में इस मुद्दे को भारत–पाकिस्तान पर छोड़ने की बात की। यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र महासभा में ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें भारत–पाक के बीच युद्धविराम कराने में ट्रंप की भूमिका का दावा किया गया था। हालांकि भारत सरकार ने बार–बार जोर दिया कि सीमा पार आतंकवाद जैसे मुद्दे द्विपक्षीय रहने चाहिए। अमेरिका की तरफ से यह बयान उस वक्त आया है, जब ट्रंप पाकिस्तानी हुक्मरान के साथ बैठक कर रहे हैं और रणनीतिक साझेदारी, आतंकवाद निरोधी गठबंधन व अन्य समझौतों पर हस्ताक्षर करने की तैयारी में हैं। अप्रैल में पहलगाम में आतंकी हमले में छब्बीस भारतीयों की मौत का बदला लेने के लिए मई में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर किया था जिसमें भारतीय सेना ने पीओके में घुसकर आतंकवादियों के शिविरों में हमला कर सौ से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। उसके बाद से ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि उनकी पहल के चलते ही संघर्ष विराम संभव हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति खुद को शांति के नोबल पुरस्कार का दावेदार बता कर विश्व शांति का मसीहा बनने का जबरदस्त प्रयास कर रहे हैं। हास्यास्पद होने व विभिन्न विद्वानों द्वारा संदेह व्यक्त किए जाने के बावजूद ट्रंप व उनके चापलूस करीबी दुनिया में जारी युद्धों को रोकने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला साबित करने में कोताही नहीं कर रहे। भारत विभिन्न मौकों में स्पष्ट कर चुका है कि कश्मीर के मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता कभी स्वीकार नहीं की जा सकती। अब जब अमेरिका की तरफ से टेरिफ वॉर चालू है, किसी अधिकारी द्वारा दबंगई न करने का स्पष्टीकरण देना रणनीति का हिस्सा होसकता है। व्यापार समझौतों को ढाल बना कर दोनों मुल्कों के दरम्यान दशकों से चले आ रहे सीमा विवाद और पाकिस्तान में आतंकवादियों के प्रशिक्षण गाह को खत्म करने के बहाने ट्रंप बिल्लयों के झगड़े में बंदर बनने की उतावली में नजर आ रहे हैं जो भारत को किसी कीमत पर स्वीकार्य नहीं। सहिष्णुता बरतने का यह मतलब नहीं है कि हम कड़े कदम उठाने से हिचकते हैं। भारत अपनी शक्ति और स्थिति से अब किसी तरह का समझौता करने को राजी नहीं।

संघ शताब्दी वर्ष पर विशेष आलेख : राष्ट्र जागरण की साधना के सौ वर्ष की यात्रा

हितानंद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा वास्तव में राष्ट्र जागरण की ध्येय यात्रा है। वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर के मोहिते बाड़ा में रोपा गया राष्ट्र साधना का छोटा सा बीज आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। राष्ट्र प्रथम के एकनिष्ठ भाव के साथ किए जा रहे सतत और अनथक प्रयासों से संघ की पहचान आज विश्व के सबसे बड़े संगठन के रूप में बनी है। राष्ट्र, संस्कृति, धर्म एवं समाज के हित में सर्वस्व अर्पण कर देने वाले स्वयंसेवक भारत के पुनरुत्थान की साधना में निरंतर लगे हुए हैं। संघ शताब्दी वर्ष चरैवेति–चरैवेति के मंत्र के साथ बढ़ रहे वैचारिक अधिष्ठान का एक सोपान है। संघ के आद्य सरसंघचालक परम पूजनीय डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य भारत को स्वाधीन बनाने के साथ ही स्व–बोध की चेतना से युक्त एक संगठित समाज का निर्माण करना था। माँ भारती को परम वैभव पर आसीन करने की 100 वर्षों की यह यात्रा सरल नहीं रही। अनेक कठिनाइयों, विरोधों और बाधाओं को ही मार्ग बनाते हुए संघ ने भारत माता की सेवा में व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का कार्य सतत जारी रखा है। स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता के पश्चात संघ ने समाज को देश की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य किया। स्वतंत्रता के पश्चात् भी जब देश में औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित और गुलाम पीढ़ी तैयार करने वाली मैकाले शिक्षा पद्धति जारी रखी गई तब संघ प्रेरणा से 1952 में शविद्या भारतीय की स्थापना की गई, जो शिक्षा एवं संस्कार देने वाला आज विश्व का सबसे बड़ा अशासकीय शैक्षणिक संगठन है। युवाओं को राष्ट्रीय विचारों से जोड़ने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, श्रमिकों के हित में कार्य करने भारतीय मजदूर संघ, किसानों के लिए भारतीय किसान संघ, सेवा कार्यों के लिए सेवा भारती और संस्कार भारती आदि अनेक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से स्वयंसेवकों द्वारा स्थापित किए गए जो आज भी समाज में सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। 1936 में स्थापित राष्ट्र सेविका समिति के साथ मिलकर संगठन ने महिलाओं की भूमिका को भी समान महत्व दिया है। आज विचार परिवार के प्रत्येक संगठन में महिला नेतृत्व की सशक्त उपस्थिति इसी दृष्टिकोण का परिणाम है। स्वतंत्रता के पश्चात् जब भारतीय राजनीति अपने मूल और दिशा से भटकने लगी, देश की संप्रभुता के लिए ही संकट उत्पन्न हो गया, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की। भारतीय जनसंघ आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। भारतीय जनता पार्टी वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है। इसे एक ऐसे संगठन के रूप में भी समाज का सम्मान प्राप्त होता है, जिसने अपने गठन के समय से चले आ रहे लगभग सभी प्रमुख संकल्पों को पूर्ण करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। जम्मू–कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना इसी विचारधारा के ऐतिहासिक कार्य हैं। संघ की सौ वर्ष की यात्रा कठिन चुनौतियों से भरी रही है। संघ अपने आरंभिक काल से ही अपनों के ही विरोध, आक्रमण, उपहास और अपमान सहकर भी इस अनवत यात्रा में आगे बढ़ा है। महात्मा गांधी की हत्या के मिथ्या आरोप, दो बार लगाए गए प्रतिबंध, आपातकाल की असहनीय यातनाएं और तमाम विरोधों के पश्चात भी संघ अपने संकल्पों पर दृढ़ रहा। इस साधना की यज्ञ वेदी में असंख्य स्वयंसेवक समिधा बन कर होम भी हुए हैं। स्वयंसेवकों की तपस्या और प्रचारकों के समर्पण ने संगठन को उस स्थिति तक पहुंचाया, जहां आज विश्वभर में लोग संघ को निकट से जानना और उससे जुड़ना चाहते हैं। भारत के गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास, संस्कृति, ज्ञान–परंपरा के संघरूपी वटवृक्ष की जड़ें गहरे तक समायी हुई हैं। संघ की शाखाएं संगठन का सबसे प्रबल पक्ष हैं। समाज में यह वाक्य प्रचलन में भी आ चुका है कि यदि संघ को समझना है तो शाखा में जाकर भलीभांति समझा जा सकता है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की नर्सरी भी कही जाती हैं। शाखा के माध्यम से स्वयंसेवकों का शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास होता है। खेल, गीत, अनुशासन और बौद्धिक कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें नेतृत्व, अनुशासन, बंधुत्व और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा मिलती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं के माध्यमम से समाज का ऐसा संगठन तैयार हुआ है कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय संकटों और विदेशी आक्रमणों, हर परिस्थिति में संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले सेवा कार्य के लिए उपस्थित रहते हैं। गुजरात के भुज में आए भूकंप से लेकर हाल की भीषण बाढ़ की घटनाओं और कोरोना महामारी के दौरान भोजन, परिवहन, दवाइयों से लेकर पीड़ितों के अंतिम संस्कार तक की सेवाओं में स्वयंसेवकों ने निरूस्वार्थ भाव से अपना योगदान दिया। इससे पूर्व स्वतंत्रता संग्राम, गोवा मुक्ति आंदोलन, कश्मीर के भारत में विलय, चीन के आक्रमण जैसे ऐतिहासिक घटनाक्रमों में भी संघ की भूमिका उल्लेखनीय रही।

जातिवाद, वैचारिक विरोधी और संघ

उमेश

यह संयोग ही है कि ठीक सौ साल पहले 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई, ठीक उसके कुछ ही महीने बाद छब्बीस दिसंबर 1925 को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई। सौ साल की यात्रा को जब पीछे मुड़कर देखते हैं तो पता चलता है कि जोर–शोर से शुरू हुआ भारतीय कम्युनिस्ट आंदोलन भारत भूमि पर दम तोड़ता नजर आ रहा है, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा लगातार आगे बढ़ रही है। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक मोर्चे पर संघ की वैचारिकी की प्रगति यात्रा जारी है। एक ही वक्त पर शुरू दोनों वैचारिकी में एक विशेष अंतर रहा। वाम आंदोलन के निशाने पर सदा संघ की विचारधारा और संगठन रहा। संघ के खिलाफ कभी सत्ता के सहयोग से तो कभी किसी और तरीके दुष्प्रचार खूब फैलाया गया। उसी में एक विचार ऐसा है कि संघ मुसलमानों के खिलाफ है। वैचारिक और सामाजिक मोर्चे पर यह भी स्थापित करने की कोशिश की गई कि संघ भारतभूमि से मुस्लिम धर्म का समूल खात्मा चाहता है। लेकिन हकीकत कुछ और है। संघ की प्रतिनिधि सभा के सदस्य और वरिष्ठ कार्यकर्ता इंद्रेश कुमार जी के संयोजन में साल 2002 से 'राष्ट्रीय मुस्लिम मंच' नाम का संगठन काम कर रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य इस्लाम मानने वाले भारतीय लोगों के बीच 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के संदर्भ में भारतीय राष्ट्रीयता के विचार को बढ़ावा देना है। संघ का कोई घोषित या अघोषित उद्देश्य नहीं है कि भारत भूमि मुस्लिम लोगों से मुक्त हो। संघ का प्रयास है कि भारत के मुसलमानों को लेकर स्थापित छवि बदले और राष्ट्र निर्माण में भी उनकी भूमिका हो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर 'गुरू' जी रचित किताब 'ब्रंच ऑफ थॉट' का हवाला देकर अक्सर संघ को मुस्लिम विरोधी और सांप्रदायिक होने का प्रयास किया जाता है। वामपंथी विचारधारा के बुद्धिजीवियों को जब भी संघ पर हमला करना होता है, 1966 में प्रकाशित इसी किताब का वे हवाला देते हैं। संघ के मौजूदा सरसंघचालक मोहन राव भागवत जी इस बारे में अपनी राय खुलकर जाहिर कर चुके हैं। सात साल पहले सितंबर 2018 में दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई तीन दिनों की विशेष व्याख्यान माला के आखिरी दिन 20 सितंबर को संघ प्रमुख ने श्रोताओं से आमंत्रित प्रश्नों का जवाब दिया था। उसमें 'ब्रंच ऑफ थॉट' को लेकर भी एक प्रश्न पूछा गया था। उस प्रश्न के जवाब में मोहन राव भागवत ने कहा था, 'रही बात, श्बंच ऑफ थॉट्सश की, तो बातें जो बोली जाती हैं वे परिस्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संदर्भ में बोली जाती हैं। वे शाश्वत नहीं रहतीं।' इसी सवाल के जवाब में भागवत जी ने आगे कहा था, ष्आरएसएस कोई संकीर्ण संगठन नहीं है. समय के साथ हमारे विचार और इनका प्रकटीकरण भी बदलता है।ष संघ प्रमुख मुसलमान समुदाय को लोगों को भी अपना ही मानते हैं। इसी व्याख्यान माला में उन्होंने कहा था कि, 'हम एक देश की संतान हैं, भाई–भाई जैसे रहें। इसलिए संघ का अल्पसंख्यक शब्द को लेकर रिजर्वेशन है। संघ इसको नहीं मानता. सब अपने हैं, दूर गए तो जोड़ना है।' संघ को लेकर एक आरोप लगता है कि वह जातिवादी है। विशेषकर संघ विरोधी बुद्धिजीवी कहने से नहीं हिचकते कि संघ में उच्च जातियों का वर्चस्व है। के एस भारती द्वारा संपादित और 1988 में प्रकाशित 'इनसाइक्लोपीडिया ऑफ एमिनेंट थिंकर के सातवें खंड में दिए विवरण के अनुसार महात्मा गांधी 1934 में वर्धा में आयोजित संघ के एक शिविर

का दौरा किया था। तब वे बगल में ही सेवाग्राम आश्रम में ठहरे हुए थे। संघ के शिविर का जिज्ञासावश दौरा करने पहुंचे गांधी जी को यह देखकर आश्चर्य हुआ था कि गांधीजी को इस बात से और भी आश्चर्य हुआ कि वर्धा शिविर में अस्पृश्यता, जातिगत उपेक्षा या अन्य भेदभावपूर्ण तौर–तरीके बिलकुल नहीं थे। गांधी जी के दौरे वक्त संघ के शिविर में अप्पाजी जोशी थे। इससे गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। संघ और गांधी के संबंधों को लेकर भी बहुत कुछ लिखा जा चुका है। लेकिन गांधी वांग्मय में संग्रहीत तथ्यों से इससे जुड़े वैचारिक कुहासे से भी भी पर्दा उठता है। गांधी वांग्मय के 87वें खंड में मिलता है। इसके अनुसार अप्रैल 1947 में दिल्ली में हिंदू–मुस्लिम एकता के संदर्भ में हुई एक प्रार्थना सभा में, गांधीजी ने बताया था कि उन्हें संघ से एक पत्र मिला है, जिसमें इस बात से इनकार किया गया है कि हाल ही में गांधीजी द्वारा अपनी सभाओं में कुरान की आयतों को गीता की आयतों के साथ रखने के विरोध में संघ का कोई हाथ था। गांधीजी ने कहा कि उन्हें इस खंडन के बारे में सुनकर खुशी हुई, और आगे कहारू ष्कोई भी संगठन जीवन या धर्म की रक्षा नहीं कर सकता जब तक कि वह पूरी तरह से खुले तौर पर काम न करे।ष सितंबर 1947 में गांधीजी नई दिल्ली में संघ कार्यकर्ताओं से मिले थे। तब गांधी जी उनसे कहा था कि श्वास्तव में उपयोगी होने के लिए, आत्म–बलिदान के साथ–साथ पवित्र उद्देश्य और सच्चे ज्ञान का भी समावेश होना आवश्यक है। संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतररजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या संघ के स्वयंसेवकों की होगी। संघ पर वामपंथी लोगों का विरोधी होने का भी आरोप लगता है। लेकिन संघ प्रमुख इसे भी साफ कर चुके हैं। राष्ट्र हित के संदर्भ में वाम विचारधारा पर सवाल उठने जायज हैं। वाम विचारधारा भारतीयता की धारणा को तार–तार करती है। लेकिन उसे मानने वाले लोगों से संघ कभी घृणा नहीं करता, नहीं विद्वेषभाव रखता है। संघ प्रमुख तो अब बार–बार कहते हैं कि भारत में जो भी हैं, सब अपने हैं। उन्हें अपने साथ जोड़ना है। संघ ने शताब्दी वर्ष में जो पंच प्रतिष्ठा निर्धारित की है, उसमें तीसरा 'सामाजिक समरसता' है। सामाजिक समरसता के संदर्भ में संघ का मानना है कि भारत भूमि में रहने वाले सभी लोग अपने हैं। कुछ भटके हुए हैं, उन्हें अपने साथ जोड़ना है और भारत राष्ट्र को स्वावलंबी और मजबूत बनाना है। यह तभी संभव होगा, जब समूचे भारत का समाज एक होगा।

छठी मैया का जिक्र संयुक्त राष्ट्र जिन पर्वों–त्यौहारों को सांस्कृतिक धरोहर मानता है

अरविन्द

छठ ऐसा पर्व है जिसमें कुछ भी कृत्रिम नहीं होता और वह पुरोहित और पोथी के सहारे चलने वाला पर्व नहीं है। इसमें बहुत एकरूपता है और कहीं भी स्वरूप और प्रक्रिया में अनेकता या अराजकता नहीं है लेकिन यह सब प्रायरू अनपढ़ औरतें ही करती हैं, वही सीनियर बनने पर गाइड करती हैं, नया होने पर सास या मां का निर्देश लेकर लंबा व्रत करती हैं। इस बार मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जैसे ही छठ का जिक्र किया किसी को यह समझने में देर नहीं लगी कि उनकी श्रद्धा का मतलब बिहार के आगामी चुनाव है। उन्होंने छठी मैया का जिक्र करने के साथ यह संकेत भी दिया कि संयुक्त राष्ट्र जिन पर्वों–त्यौहारों को सांस्कृतिक धरोहर मानता है उसकी सूची में छठ को शामिल कराने की बात काफी आगे बढ़ चुकी है और संभव है कि इस बार यह घोषणा हो जाए। अगर अनिश्चितता होती तो प्रधानमंत्री इस तरह की बात नहीं करते। हम जानते हैं कि चुनाव छठ के ठीक बाद होने हैं। इसलिए छठ अपनी जगह महत्वपूर्ण है लेकिन इस घोषणा का समय अपनी जगह है। और अगर नरेंद्र मोदी का रिकार्ड देखें तो साफ है कि वे चुनाव लड़ने में आल आउट हो जाते हैं और कई बार सामान्य राजनैतिक मर्यादा की लक्ष्मण रेखा भी पार करते हैं। मुसलमानों के खिलाफ पिछले लोक सभा चुनाव में जिस तरह उन्होंने भाषण दिए वह प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के लिए शोभा नहीं देता। छठ का मामला अलग है और अगर कोई लोक आस्था के इस पर्व और देवता के प्रति श्रद्धा प्रकट करता है, उसके सम्मान को बढ़ाने का प्रयास करता है तो यह पुरबिया और बिहारी समाज को पसंद ही आएगा। लेकिन प्रधानमंत्री छठ के बुनियादी स्वभाव को नहीं जानते। छठ किसी पुरोहित और शास्त्र की जरूरत वाला पर्व नहीं है। यह लोक आस्था का पर्व है और प्रकृति से समाज के संबंध को बताने वाला, उसके प्रति अगाध आस्था रखने वाला और जरा भी चूक पर कोप का शिकार होने के डर के साथ मनाया जाने वाला पर्व है। इसमें मूल भावना से खिलवाड़ का सवाल ही नहीं उठता। यह जरूर है कि हाल के वर्षों में इसका चलन बहुत तेजी से बड़ा है और दुनिया भर में छठ के व्रती दिखने लगे हैं। विदेशों का हर भारतीय दूतावास आयोजन करता है और हर भारतीय ही नहीं बड़ा अंतरराष्ट्रीय शहर इसके आयोजन का स्थल बनाता है। छठ व्रत के सामान उपलब्ध रहते हैं और लोग उतनी ही पवित्रता और आस्था के साथ इस कठिन व्रत को पूरा करते हैं। शुरू में शिव सेना और मनसे जैसे हल्के राजनैतिक संगठनों ने मुंबई में इसके आयोजन का विरोध किया पर जल्दी ही व्रत की पवित्रता और आस्था के आगे सब नतमस्तक हुए। कई राज्य सरकारें उस दिन छुट्टी देने लगी हैं तो छठ घाटों के निर्माण में सहयोग भी। और बिहार तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश का तो कहना ही क्या है। जब लोग हों, इतनी आस्था से जुटे हों और इतनी संख्या में हों तो वोट की राजनीति वाले इससे दूर कैसे हो सकते हैं? सो जैसे–जैसे छठ का महात्म बढ़ता गया है इसको लेकर राजनैतिक दलों और नेताओं का लोभ भी बढ़ता गया है। कई बार छठ पर सार्वजनिक छुट्टी और छठ घाटों और आसपास की सड़कों को सुधारने के सरकारी प्रयासों को भी इसी राजनीति से जुड़ा माना जाता है। और भाजपा के लोग इस मामले में कुछ ज्यादा ही कोशिश में लगे हैं। इस लेखक ने दिल्ली में भाजपा नेताओं द्वारा पुरबिया मतदाताओं को लुभाने के लिए बार–बार ऊटपटांग कोशिश करते देखा है। जैसे किसी ने कह दिया कि छठ घाट पर नाच गाना होता है और भौंडा नाच भी होता है। रात भर वहां रुके लोगों के लिए ही नहीं सारे समाज के जुटान पर नाच से जुड़े लोग अपने कौशल का प्रदर्शन करते हैं–किसी से पैसा नहीं लेते। पर दिल्ली में एक बड़े भाजपा नेता की कोठी पर बाजाप्ता भौंडा नाच आयोजित हुआ। किसी ने कह दिया कि छठ में पानी में खड़ा होना होता है तो एक बड़े नेता बरमूडा पहनकर ही जगह–जगह फोटो खिंचाते फिरे। किसी को बिहार जाने वाली गाड़ियां बढ़ाने या फ्लाइट का टिकट न बढ़ाने देने जैसे सामान्य प्रशासनिक काम याद नहीं आए। भाजपा तीस साल दिल्ली की सत्ता से दूर रही तो इसे छठी मैया का क्रोध नहीं मानना चाहिए। यह जरूर हुआ कि यहां का पुरबिया समाज पहले कांग्रेस को और बाद में आप को अपना दल मानता रहा और भाजपा को परदेसी दल। छठ के प्रति आतुरतापूर्ण दिखावा समझने में उसे दिक्कत नहीं हुई और यह दृष्टि कहीं बाहर से नहीं आई। छठ ऐसा पर्व है जिसमें कुछ भी कृत्रिम नहीं होता और वह पुरोहित और पोथी के सहारे चलने वाला पर्व नहीं है। इसमें बहुत एकरूपता है और कहीं भी स्वरूप और प्रक्रिया में अनेकता या अराजकता नहीं है लेकिन यह सब प्रायरू अनपढ़ औरतें ही करती हैं, वही सीनियर बनने पर गाइड करती हैं, नया होने पर

सास या मां का निर्देश लेकर लंबा व्रत करती हैं। पंडित लोग ढूंढ–ढूंढकर थक गए लेकिन इसका कोई शास्त्रीय संदर्भ नहीं मिला है लेकिन कई सौ साल से यह इसी उत्साह और मजबूती से चलता रहा है। सब कुछ प्रकृति से नियंत्रित होता है और सब कुछ प्रकृति और स्थानीय मिट्टी का होता है। डूबते सूरज और उगते सूरज की पूजा ही नहीं होती, वही इसका सारा कार्यक्रम तय करते हैं। उस दिन ज्योतिषियों और पंडितों की स्थिति दयनीय लगती है। भगवान भक्त को सहारा देते हैं, भक्त उन पर दया नहीं करता। उन्हें किसी सहारे की जरूरत नहीं होती। इसलिए अगर सरकारी प्रयास से संयुक्त राष्ट्र छठ को सांस्कृतिक धरोहर का दर्जा देता है तो यह उसका अपना सम्मान बढ़ाएगा, छठा तो क्या ही भला होगा। और कोई नेता और सरकार यह करती है तो उसका भी भला होगा ही, लेकिन वह इसे चुनाव में इस्तेमाल करना चाहे तो उसका क्या नतीजा होगा? यह कहना मुश्किल लगता है। दिल्ली की चुनावी राजनीति का उदाहरण पहले दिया गया है। बिहार और उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी यह प्रयास पहले हुआ है और छठ करने का एक तरीका भीख मांगकर पूजन सामग्री जुटाना है तो पूजन सामग्री का वितरण करके छठी मैया का आशीर्वाद पाना भी एक सच है।

ट्रंप ने तय कर लिया फिलिस्तीन का भविष्य

बीते दो साल से फिलीस्तीन में चल रहे नरसंहार के खत्म होने के दिन करीब आते दिख रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की बैठक के बाद गजा का शांति प्रस्ताव तैयार हो गया है। ट्रंप ने गजा के भविष्य की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है। एक योजना बनाई गई है, जिसके तहत हमास को 72 घंटे के अंदर 20 जीवित इजरायली बंधकों को रिहा करना है और उन करीब 20 बंधकों के शवों को वापस करना है, जिनके बारे में माना जाता है कि उनकी मौत हो चुकी है। योजना के मुताबिक हमास अपने हथियार त्याग देगा, इसके साथ ही उसकी सुरंगें और हथियार बनाने के ठिकाने नष्ट कर दिए जाएंगे। हर इजरायली बंधक के शव की रिहाई पर इजरायल 15 गजावासियों के शव लौटाएगा। योजना में यह भी कहा गया है कि जैसे ही दोनों पक्ष इस प्रस्ताव पर सहमत होंगे, गजा पट्टी में तुरंत पूरी सहायता भेजी जाएगी। ट्रंप ने कहा कि अगर हमास इस योजना को स्वीकार नहीं करता है तो अमेरिका नेतन्याहू के साथ खड़ा होगा। वहीं नेतन्याहू ने कहा है कि अगर हमास इस योजना ठुकराता है या इसका पालन नहीं करता है तो इजरायल अपने काम को अंजाम तक लेकर जाएगा। नेतन्याहू की इस धमकी का अर्थ यह है कि हमास को खत्म करने के नाम पर गजा पर कब्जे की जो योजना नेतन्याहू की बनी हुई है, वो हर हाल में पूरी होगी। दो सालों से तबाह गजा में अब और ज्यादा धमाके नहीं होंगे, जो बची–खुची जिंदगियां शेष हैं, वो शायद आगे भी बरकरार रहेंगी, इस बात को राहत की तरह देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप की इस घोषणा का स्वागत किया है, ब्रिटेन, फ्रांस व यूरोपीय यूनियन के देश इस शांति प्रस्ताव से सहमत हैं। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, तुर्किए, पाकिस्तान, इंडोनेशिया आदि मुस्लिम देश भी गजा के लिए बनी योजना पर सहमत हैं और फिलीस्तीन के अधिकारी भी इसे सकारात्मकता के साथ देख रहे हैं। फिलीस्तीन के पास अब और कोई रास्ता तो बचा ही नहीं है। बीते दो सालों में एक बसे–बसाए देश को पूरी तरह तबाह कर अब पश्चिमी ताकतों ने उसे फिर से बसाने की योजना बना दी है। पूंजीवाद की यही कार्यशैली है। पहले किसी चीज में खोट निकालो, उसे खत्म करो और फिर अपनी मर्जी का ऐसा ढांचा वहां खड़ा करो, जिससे अधिक से अधिक मुनाफा कमाया जा सके। लालच का यह तंत्र इतना निष्ठुर है कि उसे बंजर जमीन, हरे–भरे जंगल, मूक जानवर, हाड़–मांस के इंसान किसी में कोई फर्क नहीं दिखता। उसका बुलडोजर सब पर एक तरह से चलता है। गजा अब पूंजीवाद के बुलडोजर से पूरी तरह समतल होने जा रहा है। इसलिए अब इन सवालों के जवाब शायद ही मिलें कि बंधकों की रिहाई, शवों की वापसी हो जाएगी, आगे और हमले भी नहीं होंगे। लेकिन हमास को खत्म करने के नाम पर जिन मासूमों की जान ली गई है, उन्हें क्या कभी इंसाफ नहीं मिलेगा। अभी पिछले हफ्ते तक संरा महासभा में फिलीस्तीन के समर्थन में आवाजें उठ रही थीं, उसे मान्यता देने वाले देशों की संख्या बढ़ रही थी, और बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण में जिस तरह कई देशों के राजदूत उठकर चले गए, उसमें यह खुशफहमी बनी कि वैश्विक व्यवस्था में अघोषित बदलाव हो रहा है, कि संयुक्त राष्ट्र संघ की महत्ता पुनरू स्थापित हो रही है। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट्र संघ की जगह लेते जा रहे हैं या ले चुके हैं। ट्रंप खुद दावा करते रहते हैं कि कितने देशों के बीच युद्ध उन्होंने रुकवाए हैं, यहां तक कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार का दावेदार बताया जाने लगा है। अब गजा में तथाकथित शांति बहाली के बाद यह दावेदारी और बढ़ जाएगी। फिर यह सवाल नहीं होंगे कि शांति प्रस्ताव के बाद अब जो फिलीस्तीन खड़ा किया जाएगा, उसकी डोर असल में किसके हाथ में रहेगी। यह तो घोषित तथ्य है कि इजरायल को शुरु से अमेरिका का पूरा समर्थन रहा है। बीते कुछ दिनों में ट्रंप ने चाहे नेतन्याहू को हमले रोकने या और ज्यादा हिंसा बर्दाश्त न करने की बात कही है, लेकिन यह केवल दिखावटी बातें थीं। इजरायल अमेरिका की छत्रछाया में ही फला–फूला है और अब फिलीस्तीन को भी अमेरिका की कठपुतली सरकार मिलेगी, यह तय है। गौरतलब है कि अमेरिका ने गजा की भावी शासन व्यवस्था की जो रूपरेखा रखी है, उसमें एक गैर–राजनीतिक फिलीस्तीनी कमेटी गजा पर अस्थायी रूप से शासन करेगी, इसकी देखरेख एक नयी अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिशन बॉडी श्बोर्ड ऑफ पीसश करेगी। कहा जा रहा है कि इसका नेतृत्व ट्रंप खुद करेंगे, लेकिन इसमें ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर की भी अहम भूमिका रहेगी, ऐसी खबरें हैं। इस योजना में फिलीस्तीनी शासन में हमास की कोई भूमिका नहीं रहेगी। अमेरिका की श्आर्थिक विकास योजनाश के तहत गजा का पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसमें यह भी कहा गया है कि श्इजरायल गजा पर न तो कब्जा करेगा और न ही उसे अपने देश में मिलाएगाश और उसकी सेनाएं समय के साथ ही चरणबद्ध तरीके से पीछे हटेंगी। इस बार ट्रंप ने अपने पिछले बयानों के उलट कहा है कि फिलीस्तीनियों को गजा छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। लोगों को वहीं रहने और बेहतर गजा बनाने का अवसर दिया जाएगा। सबसे खास बात यह कि इस योजना में एक फिलीस्तीनी राष्ट्र की संभावना के लिए दरवाजा भी खुला छोड़ा गया है। यहूदियों को इजरायल में बसाने से पहले से फिलीस्तीनी राष्ट्र बना हुआ था, लेकिन अब उसे अपनी ही जमीन पर वैध पहचान का मोहताज बनाया जा रहा है। इस पूरी कवायद में टोनी ब्लेयर को जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल रही है, वह किसी बड़े खेल का इशारा कर रही है। 2007 में प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद ब्लेयर को अमेरिका, यूरोपीय संघ, रूस और संयुक्त राष्ट्र यानी क्वार्टेट का मध्य–पूर्व दूत बनाया गया था। याद कीजिए यह वही ब्लेयर हैं जिन्होंने बिना किसी सबूत के इराक पर हमले में अमेरिका का साथ दिया था और सद्दाम हुसैन के खतरे को बढ़ा–चढ़ा कर पेश किया था। विनाशकारी हथियारों के शक में न केवल इराक को तबाह किया गया, बल्कि सद्दाम हुसैन को फांसी पर चढ़ाया गया। ये काम उन लोगों ने किया, जिनके तहखानों में कई विनाशकारी हथियार रखे हुए हैं। नेतन्याहू जैसे युद्ध अपराधियों के हौसले ट्रंप ने और बढ़ा दिए हैं।

उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने विभागीय योजनाओं की की विस्तृत समीक्षा और अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने विभाग के संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की, जिसमें केंद्र और राज्य की योजनाएँ जैसे प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, राज्य सेक्टर की योजनाएँ, किसान क्रेडिट कार्ड, सामूहिक दुर्घटना बीमा आदि शामिल थीं। उन्होंने निदेशालय में समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी योजनाओं और परियोजनाओं का समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाए।मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025–26 में जारी वित्तीय स्वीकृति का शत–प्रतिशत व्यय सुनिश्चित किया जाए। उपभोग प्रमाण पत्र और भारत सरकार से प्राप्त पत्रों के माध्यम से अगले किश्त

की वित्तीय स्वीकृति प्राप्त कर परियोजनाओं को समय पर पूरा कराया जाए। उन्होंने मत्स्य मंडी गोरखपुर और एक्वापार्क जैसी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए भारत सरकार से स्वीकृति दिलाने के प्रयास तेज करने के निर्देश भी दिए।राज्य स्तर की योजनाओं के अंतर्गत बजट धनराशि के अनुसार कार्यवाही पूर्ण कर परियोजनाओं को पूर्ण करने पर जोर दिया गया। मंत्री ने मत्स्य पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड से कवर करने हेतु बैंकों से संपर्क कर स्वीकृति सुनिश्चित कराने और इसके लिए पोर्टल आधारित निगरानी प्रणाली को लागू करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, छठे में पंजीकरण की प्रक्रिया को गति देने और सभी मंडलों में लक्ष्य के अनुरूप पंजीकरण पूरा करने के निर्देश भी दिए गए।डॉ. निषाद ने मछुआ दुर्घटना बीमा योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार कराने तथा मत्स्य पालकों और मछुआरों को इसका लाभ दिलाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर विजिट कार्यक्रमों के माध्यम से मत्स्य पालकों को नई तकनीकों की जानकारी प्रदान करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही, विभागीय योजनाओं के संचालन को पारदर्शी बनाने और पूर्व में संपादित परियोजनाओं का सत्यापन करने पर जोर दिया गया, जिसमें दस लाख रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शत–प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा।समीक्षा बैठक में महानिदेशक मत्स्य एवं निदेशक मत्स्य ने मंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों को समयबद्ध तरीके से कार्यान्वित करने का आश्वासन दिया। बैठक में प्रमुख सचिव मत्स्य, पशुधन एवं दुग्धा विकास विभाग, महानिदेशक मत्स्य, निदेशक मत्स्य, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक और सभी मंडलीय उप निदेशक मत्स्य सहित अन्य विभागीय अधिाकारी उपस्थित रहे।इस समीक्षा से विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और मत्स्य पालन क्षेत्र में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है,।

गायत्री प्रजापति के सिर में लगे 18 टांके बेटियों ने बताई जेल के अंदर की कहानी

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में सपा सरकार में मंत्री रहे गायत्री प्रसाद प्रजापति पर मंगलवार रात जिला जेल में एक बंदी ने रॉड से हमला कर दिया जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। गायत्री की पत्नी व बेटियों ने बुधवार सुबह उनसे मुलाकात की। गायत्री की बेटी ने कहा कि पिता के सिर में 18 से 20 टांके लगे हैं। उन पर पूरी साजिश के तहत हमला किया गया है। उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई। अगर वो जेल में भी सुरक्षित नहीं हैं तो कहां सुरक्षित होंगे। हमें न्यूज चौनल के जरिये उन पर हमले की जानकारी हुई। हम सरकार से मांग करते हैं कि हमें न्याय दिया जाए और उन्हें जमानत दी जाए। गायत्री की दूसरी बेटी ने कहा कि मेरे पिता निर्दोष हैं। बड़े–बड़े अपराधियों को जमानत मिल जा रही है लेकिन उन्हें जमानत नहीं मिली। न्यायालय हमारी बात नहीं सुनता है जिसके पास भी हमारी फाइल होती है वो फेंक दी जाती है। अगर मेरे पिता को कुछ हो गया तो कौन जिम्मेदार होगा। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान बचाव की कोशिश में उनके हाथों में भी चोट लगी है। वहीं, गायत्री की पत्नी व विधायक महाराजी देवी ने कहा कि हम सरकार से मांग करते हैं कि उनके साथ न्याय हो और उन्हें जमानत दी जाए।

संक्षिप्त खबरें

दिव्यांग किशोरी से दुष्कर्म, केस दर्ज

लखनऊ, (संवाददाता)। ठाकुरगंज इलाके में रविवार दोपहर निमंत्रण कार्ड देने पहुंचे युवक ने 17 वर्षीय दिव्यांग किशोरी को घर में अकेली पाकर उससे दुष्कर्म किया। उसके शोर मचाने पर आरोपी भाग निकला। परिजनों ने सोमवार को आरोपी के खिलाफ थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी रिजवान रहीमाबाद का रहने वाला है। पीड़िता दूसरे समुदाय की है और पैरों से दिव्यां है। घटना के समय उसके पिता अपनी किराने की दुकान पर थे और मां गांव गई थी। इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह ने बताया कि पीड़िता की मेडिकल जांच और उम्र के साक्ष्य मिलने पर आगे की कार्रवाई होगी। आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है।

विदेश में नौकरी के नाम पर सवा लाख रुपये ठगे

लखनऊ, (संवाददाता)। विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर जालसाजों ने गुडंबा के अमित कुमार सिंह से सवा लाख रुपये हड़प लिए। पीड़ित ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। विवेकानंदपुरम, कल्याणपुर निवासी अमित ने बताया कि उन्होंने 10 सितंबर को मर्चेंट नेवी में नौकरी के लिए क्रू सार्ज मैरीटाइम प्रा.लि. नामक कंपनी में चंडीगढ़ निवासी एजेंट अजहर के माध्यम से आवेदन किया था। 12 सितंबर को ऑनलाइन इंटरव्यू के बाद ऑफर लेटर भेजा गया। अमित को जॉइनिंग के लिए भुवनेश्वर बुलाया गया। पीड़ित के मुताबिक 17 सितंबर को वह भुवनेश्वर पहुंचे। एजेंट और कंपनी के राहुल धवन ने उनसे कहा कि पहले पैसे ट्रांसफर करने होंगे, तब उनका आदमी जहाज पर तैनाती करा देगा। इस बहाने से उन्होंने अमित से पहले 95 हजार और फिर 20 हजार रुपये गूगलपे से मंगवा लिए। इसके बाद अजहर व राहुल ने मोबाइल फोन बंद कर लिए। इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विवेचना शुरू कर दी गई है।

पतंग को उतारने के दौरान करंट की चपेट आया 12 वर्षीय बच्चा हुई मौत बिजली विभाग की लापरवाही आई सामने

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर। लम्भुआ पेड़ पर लटक रहे पतंग को छत पर से उतारने गए एक 12 वर्षीय बच्चे की करेंट की चपेट में आने से मौत हो गई घटना बच्चे द्वारा पतंग को निकालने की कोशिश में उसे बिजली का जोरदार झटका लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई मामला लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत लंभुआ के सर्वोदय नगर का है जहां सर्वोदय नगर निवासी इब्राहिम का पुत्र जिशान बृहस्पतिवार की सुबह घर से सटे हुए पेड़ के बीच में बिजली का पोल लगा हुआ हैं जहां से मुहल्ले के लोगों को बगैर डीबी बॉक्स के खुले में सप्लाई दी गई हैं उसी पेड़ पर लटक रहे पतंग को उतार रहे 12 वर्षीय जिशान की बिजली के तार के चपेट में आने से मृत्यु हो गई मुहल्ले वासियों का आरोप है यह घटना बिजली विभाग की लापरवाही से हुई हैं घटना की सूचना पर स्थानीय प्रशासन पहुंचकर कर विधिक कार्रवाई में जुटा हुआ हैं।

बिहार चुनाव के जरिये सियासी जमीन मजबूत कर रहे आकाश आनंद

लखनऊ, (संवाददाता)। बीते तीन दशक से बिहार में अपनी जड़ें जमाने की कोशिश में जुटी बहुजन समाज पार्टी इस बार आकाश आनंद के जरिये अपनी सियासी पकड़ को मजबूत करने की कवायद में जुटी है। इस अवधि में बसपा के कई विधायक बने, लेकिन किसी ने भी पार्टी का लंबे समय तक साथ नहीं दिया और सत्तारूढ़ दल का दामन थाम लिया। बीते चुनाव में जीते इकलौते विधायक जमां खां भी इसी परिपाटी पर चले। यही वजह है कि इस बार बिहार चुनाव की कमान बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को सौंपी है। दरअसल, बिहार चुनाव को आकाश आनंद के आगे के सियासी कॅरिअर की परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। यदि वह बिहार में कुछ सीटें लाने में कामयाब हुए तो यूपी और उत्तराखंड की राजनीति में उनका दखल बढ़ सकता है। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए आकाश आनंद को बिहार में सर्वजन हिताय जागरूकता यात्रा का दारोमदार सौंपा गया है, जिसे वह पूरी शिद्दत से निभा रहे हैं। उनकी जनसभाओं में उमड़ रही भीड़ और कार्यकर्ताओं से मुलाकातें उन्हें बिहार की दलित राजनीति के नए चेहरे के रूप में तैयार कर रही है। आकाश अपनी जनसभाओं में बिहार में दलितों के उत्पीड़न के मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं और उनकी समस्याओं का हल केवल बसपा के पास होने के दावे कर रहे हैं। आकाश पहले भी अपनी आक्रामक शैली की वजह से युवाओं में खासे लोकप्रिय रहे हैं। जारी रहेगी यात्रारू उनकी यात्रा का सिलसिला नवरात्र की वजह से फिलहाल स्थगित कर दिया गया है, लेकिन 4 अक्तूबर इसे दोबारा शुरू किया जाएगा। इस दौरान उनकी रैलियां और रोड शो भी आयोजित किए जाएंगे। मायावती के निर्देशों के मुताबिक पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक रामजी गौतम आकाश के सभी आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय कर रहे हैं।

खेत में काम करने से मना करने पर किसान ने दो किशोरों को काट डाला

लखनऊ, (संवाददाता)। बहराइच के निंदुनपुरवा टेपरहा गांव में बुधवार सुबह एक ग्रामीण ने दो किशोरों को खेत में लहसुन की बोवाई के लिए बुलवाया, सभी ने लहसुन की बोवाई से इनकार किया तो गंड़ासे से वार कर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद खुद को परिवार सहित कमरे में बंद कर आग के हवाले कर दिया। फायर ब्रिगेड और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस अग्निकांड में दंपती व दो बेटियों समेत चार लोग जिंदा जल गए, चार मवेशियों की भी झुलसकर मौत हुई है। गांव निवासी विजय कुमार खेती बाड़ी और पशुपालन का काम करता था। बुधवार सुबह खेत में लहसुन की बोवाई के लिए विजय ने गांव निवासी सूरज यादव (14) पुत्र लच्छी राम और सनी वर्मा (13) पुत्र ओमप्रकाश को घर बुलवाया। दोनों ने नवरात्र का अंतिम दिन होने के चलते घर पर काम अधिक होने की बात कह कर खेत में काम करने से

इन्कार कर दिया। इसी बात से गुस्साए विजय ने अपने घर के आंगन में गड़ासे से दोनों की हत्या कर दी। इसके बाद विजय ने खुद को पत्नी व बेटी सहित कमरे के अंदर बंद कर घर में आग लगा ली। आग लगने पर कमरे में बंद लोगों ने चीखना चिल्लाना शुरू कियाद्य गांव के लोग दौड़े, लेकिन आंगन में लहूलुहान दो लाशों को देखकर सभी के होश उड़ गए। उधर कमरे के अंदर आग की लपटों से घिरे लोग चीख चिल्ला रहे थे। सूचना पर फायर ब्रिगेड और रामगांव थाने की पुलिस मौके पर पहुंचीद्य किसी तरह आग पर काबू पाया गया। रामगांव थाना अध्यक्ष ने बताया कि सूरज यादव और सनी वर्मा की धारदार हथियार से हत्या की गई हैद्य कमरे के अंदर से विजय यादव उसकी पत्नी और दो बेटियों के शव निकाले गए हैं। उप जिलाधिकारी सदर पूजा चौधरी पुलिस क्षेत्राधिकार महसी मौके पर पहुंचे हैं।

संक्षिप्त खबरें

होटल में करंट की चपेट में आने से मां–बेटी की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर के मिल चुंगी नाका क्षेत्र में मंगलवार की रात ऐसा हृदयविदारक हादसा हुआ जिसने पूरे मोहल्ले को दहला दिया। करंट की चपेट में आकर मां और उसकी 13 वर्षीय बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय मां–बेटी होटल में ही रुकी थीं, जबकि पास में सो रहा पांच साल का बेटा जिंदगी और मौत के बीच से बच निकला। स्थानीय लोगों के मुताबिक मंगलवार रात होटल बंद करने के बाद बेबी अपनी बड़ी बेटी छाया (13) और छोटे बेटे आदित्य (5) के साथ होटल में ही सोने चली गई थी। बताया जाता है कि देर रात पंखा खराब हो गया। बेबी ने जैसे ही उसे छूकर ठीक करने की कोशिश की, करंट की चपेट में आ गईं। मां को छटपटाता देख बेटी छाया दौड़ी, लेकिन वह भी करंट की गिरफ्त में आ गई। कुछ ही पलों में दोनों की मौत हो गई। वहीं, पास में सो रहा आदित्य सुरक्षित बच गया। सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह हादसा विद्युत करंट से होने की पुष्टि हुई है।

प्रधान को जान से मारने की धमकी

लखनऊ, (संवाददाता)। बंथरा थानाक्षेत्र के भटगांव की महिला प्रधान तारा ने गांव के राजित राम, मटरू उर्फ अशर्फी और राजकुमार के खिलाफ ट्रैक्टर से कार में टक्कर मारने का विरोध करने पर गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। तारा का आरोप है कि रविवार देर शाम इन लोगों ने ट्रैक्टर से उनकी खड़ी कार में जोरदार टक्कर मार दी। घटना के समय प्रधान गेट के बाहर बैठी थीं और उनके दोनों बेटे कार के सामने खड़े थे। टक्कर इतनी तेज थी कि कार आगे बढ़ गई। प्रधान का कहना है कि उन्होंने तुरंत बच्चों को खींचकर बचाया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। पीड़िता का आरोप है कि पूछताछ करने पर विपक्षियों ने गालियां दीं और जान से मारने की धमकी देते हुए उसकी ओर दौड़े। ग्रामीणों ने बीच–बचाव किया। पीड़िता का आरोप है कि राजित राम ने खुलेआम कहा कि उसने जान से मारने की नीयत से ही टक्कर मारी थी।

लखनऊ पुलिस ने 05 शातिर वाहन चोरों को किया गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के पश्चिमी जोन और थाना कैसरबाग की संयुक्त टीम ने एक संगठित वाहन चोरी गिरोह के पांच शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई डायरी, कैटलाग, डेल कंपनी का लैपटॉप, नकद राशि 4960 रुपये और आधार कार्ड बरामद किया गया।जानकारी के अनुसार, 25 सितंबर 2025 को अनुराग सक्सेना निवासी शालीमार गार्डन ने थाना कैसरबाग में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी कार में रखे बैग को चोरी कर लिया। बैग में एक डायरी, कैटलाग, लैपटॉप, नकद राशि और आधार कार्ड थे। गहन जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पतारसी की और 30 सितंबर को उन्हें गिरफ्तार किया।पुलिस ने बताया कि आरोपियों का उवकने योजना बद्ध था।

उत्तर प्रदेश में नवरात्रि पर कन्या पूजन का आयोजन : मिशन शक्ति 5.0 के तहत बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग ने मिशन शक्ति 5.0 के तहत नवरात्रि की अष्टमी एवं नवमी के पावन अवसर पर प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर कन्या पूजन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम केवल धार्मिक या सांस्कृतिक परंपरा का निर्वहन नहीं बल्कि समाज में कन्याओं के जन्म को सम्मान और गौरव से देखने की सकारात्मक सामाजिक क्रांति का हिस्सा है।इस अवसर पर मंत्री, महिला कल्याण, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार बेबी रानी मोर्या, राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, विभिन्न जनपदों में प्रभारी मंत्री, जिलाधिकारी, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित कन्याओं को आशीर्वाद स्वरूप उपहार और प्रसाद भी वितरित किए गए।मूल उद्देश्य यह था कि कन्या जन्म को समाज में उत्सव के रूप में स्थापित किया जाए और यह संदेश दिया जाए कि बेटियां परिवार और समाज की आशा और समृद्धि की आधारशिला हैं। मिशन शक्ति इस बात पर जोर देता रहा है कि बेटियों को सम्मान देना केवल परंपरा या संस्कार नहीं, बल्कि समाज की जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए।कार्यक्रमों में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, लोकगीतों और संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से यह बताया गया कि बालिकाओं की शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य में निवेश करना समाज के भविष्य को सुरक्षित करने का मार्ग है। बेटियों को स्कूल जाने, उच्च शिक्षा प्राप्त करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही उनके स्वास्थ्य की निगरानी और आवश्यक पोषण सुनिश्चित करने के उपायों की जानकारी भी दी गई।विशेष काउंटरों के माध्यम से मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की लाभार्थी बालिकाओं के फार्म भरवाए गए। यह योजना जन्म से उच्च शिक्षा तक कुल 25,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करती है। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं के परिवारों को भी योजनाओं की जानकारी दी गई ताकि अधिक से अधिक बालिकाएं इस योजना से लाभान्वित हो सकें।महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव लीना जोहरी ने कहा कि यह कन्या पूजन केवल पूजा का अनुष्ठान नहीं है, बल्कि पूरे समाज को यह संदेश देने का प्रयास है कि बेटियां हमारी शक्ति, आशा और भविष्य की धरोहर हैं। महिला कल्याण निदेशक संदीप कौर ने कहा कि यह कार्यक्रम समाज में कन्याओं के प्रति सकारात्मक सोच का विस्तार करेगा और मिशन शक्ति बेटियों के सशक्तिकरण की लौ पूरे प्रदेश में प्रज्वलित कर रहा है।उल्लेखनीय है कि पूरे प्रदेश में आयोजित कार्यक्रमों में 5 लाख से अधिक कन्याओं का पूजन किया गया और 1,500 से अधिक बालिकाओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से जोड़ने हेतु फार्म भरवाए गए। इस पहल से समाज में बेटियों के प्रति सम्मान और सशक्तिकरण की भावना को और मजबूती मिली है।

किसानों को आधुनिक तकनीक और समृद्धि के मार्ग पर मार्गदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में राज्य स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी–2025 का आयोजन मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लगभग 1500 किसान प्रत्यक्ष संवाद में शामिल हुए और अपने नवाचारी कृषि अनुभव साझा किए। साथ ही आगामी रबी सीजन के लिए सरकार द्वारा तैयार की गई रणनीतियों से भी किसानों को अवगत कराया गया। कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि इस वर्ष किसानों को गत वर्ष की तुलना में अधिक खाद उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और रासायनिक उर्वरकों के न्यूनतम उपयोग का आग्रह किया। वहीं, दूरस्थ खेतों तक बिजली पहुंचाने के लिए सोलर ऊर्जा की व्यवस्था की गई है।गोष्ठी के अध्यक्ष एवं कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश में नौ अलग–अलग क्लाइमेट जोन हैं और हर क्षेत्र के किसानों की आवश्यकताओं में भिन्नता है। प्रदेश सरकार तकनीक, नवाचार और बीज से लेकर बाजार तक किसानों का सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य संस्करण बीएल मीणा ने कहा कि परंपरागत खेती के साथ–साथ औद्यानिक फसलों के उत्पादन से किसानों को अधिक लाभ हो रहा है। उन्होंने उवप्रव खाद्य प्रसंस्करण नीति के तहत प्रसंस्करण यूनिट स्थापित करने के लिए अनुदान देने की जानकारी दी।प्रमुख सचिव कृषि रवींद्र ने किसानों को गेहूं, सरसों, चना, मसूर और गन्ने पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (डैच) की व्यवस्था से अवगत कराया और बताया कि उर्द और अरहर की खरीद के लिए रूपरेखा तैयार की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को शत–प्रतिशत उर्वरक उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं और उनकी आय बढ़ाने के लिए उन्हें कृषि उत्पादों पर आधारित प्रसंस्करण उद्योग से जोड़ा जाएगा।उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने कृषि को लाभदायक और धारणीय बनाने के लिए पशुपालन को समान महत्व देने पर जोर दिया। कृषि निदेशक डॉ. पंकज त्रिपाठी ने कहा कि बीज और खाद की पर्याप्त व्यवस्था कर दी गई है और किसानों को रबी बुवाई में किसी निवेश की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने अधिकारियों को मृदा स्वास्थ्य हेतु किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए।गोष्ठी के तकनीकी सत्र में विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के वैज्ञानिकों ने गेहूं, सब्जी की खेती, प्राकृतिक खेती और यंत्रों द्वारा खेती के विषय में विस्तृत जानकारी किसानों को दी।

ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग का स्टाल प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना

लखनऊ, (संवाददाता)। पांच दिवसीय 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025' में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के स्टाल ने दर्शकों और निवेशकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इस स्टाल को प्रदेश की औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई और निवेश प्रोत्साहन कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी तथा खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। पर्यटन विभाग की ओर से क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी दीपिका सिंह ने पुरस्कार ग्रहण किया।दोनों मंत्रियों ने उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई दी और कहा कि पर्यटन रोजगार और निवेश के लिए उभरता हुआ क्षेत्र है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश ने घरेलू पर्यटन में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के प्रयास भी जारी हैं।ट्रेड शो में हॉल नंबर 07 में स्थित स्टाल नंबर 12 को दर्शकों ने खूब देखा। इस स्टाल में न केवल उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों का प्रचार किया गया, बल्कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) को भी प्रदर्शित किया गया। स्टाल ने युवाओं और पर्यटकों को आकर्षित करने के साथ–साथ निवेश के नए अवसर भी प्रस्तुत किए।ट्रेड शो में आयोजित सेमिनार, पैनल डिस्कशन, पुरस्कार समारोह, बीटूबी मीटिंग और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने नवाचार और परंपरा का संगम प्रस्तुत किया। वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) तकनीक ने बच्चों और युवाओं को आकर्षित किया। एआर फोटो बूथ पर आगंतुक अपनी पसंद के पर्यटन स्थल के साथ डिजिटल फोटो खिंचवाकर अनुभव का आनंद ले रहे थे।उत्तर प्रदेश पर्यटन के स्टाल पर आगंतुकों को काशी, अयोध्या और बुद्ध सर्किट की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया गया। वाराणसी के घाटों की झलक, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, अयोध्या राम मंदिर और बुद्ध सर्किट को भव्य रूप में प्रदर्शित किया गया। स्टॉल पर ओडीओपी के तहत अलीगढ़ के पारंपरिक ताले, खुर्जा की रंग–बिरंगी पॉटरी, आगरा का पेठा, मथुरा का पेड़ा, सहारनपुर की लकड़ी की बारीक नक्काशी, कन्नौज का शाही इत्र, भदोही के हस्तनिर्मित कालीन और वाराणसी की सिल्क साड़ियों ने आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। आगंतुकों को उत्पाद बनने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई।पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश 'त्मअमदनम च्सने "जंजम' बन चुका है और बेहतर कनेक्टिविटी, कानून व्यवस्था तथा निवेश अनुकूल वातावरण की वजह से राज्य निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। ट्रेड शो में सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) और निवेश सेक्शन ने भी आगंतुकों का ध्यान खींचा। करीब 200 निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने पर्यटन अवसंरचना, संयुक्त उपक्रमों और नवोन्मेषी परियोजनाओं में रुचि दिखाई। स्कूलों और युवाओं ने सतत पर्यटन से जुड़े अभियानों में सहयोग का प्रस्ताव रखा।उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग का यह स्टाल न केवल प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को प्रदर्शित करने में सफल रहा, बल्कि निवेश और रोजगार के अवसरों को भी नई पहचान देने में सक्षम रहा।

सुरक्षा व्यवस्था के बीच गाजे बाजे के साथ मां भगवती का हुआ विसर्जन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।गुरुवार को दोपहर से लेकर देर रात तक माँ दुर्गा की भव्य एवं विशाल विसर्जन शोभायात्रा ढोल–नगाड़ो, बैन्ड–बाजो की धुन पर निकली।इस मौके पर नाचते गाते भक्तो की भारी भीड़ के साथ परम्परागत रूप से गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी जी०आई०सी० मैदान से निकाली गयी जो फतेहगंज, चौक, रिकाबगंज, सिविल लाइन होते हुये निर्मलीकुण्ड (श्री भगवान जायसवाल घाट) पहुंची।जहाँ श्रद्धा के चरमोत्कर्ष के साथ माँ भक्तो ने उल्लासपूर्वक "जय माता दी" के गगनभेदी जयकारों के बीच नम आंखो से माँ दुर्गा की विदाई की।दिन मे 11.30 बजे केन्द्रीय दुर्गापूजा एवं रामलीला समन्वय समिति साकेत के अध्यक्ष मनोज जायसवाल की अध्यक्षता मे निकाली गयी शोभायात्रा की अगुवाई पूर्व सांसद लल्लू सिंह, महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता,विधायक रुदौली रामचन्दर यादव,विधायक बीकापुर डॉ अमित सिंह चौहान,पूर्व सदस्य विधान परिषद हीरालाल यादव,अध्यक्ष जिला पंचायत प्रतिनिधि रोहित सिंह,अयोध्या के प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, संयोजक गगन जायसवाल सहित अन्य नागरिक कर रहे थे।शोभायात्रा मे प्रमुख रूप से सहकारी बैंक के सभापति धर्मेंद्र प्रताप सिंह टिल्लू, भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव सिंह,भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव,पूर्व मंत्री पवन पांडे,पूर्व मंत्री

अमृत राजपाल, भाजपा नेता अमल गुप्ता,कबड्डी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विकास सिंह,पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष अवधेश पांडे बादल,ओमप्रकाश सिंह,पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र,समाजसेवी भागीरथी पचेरीवाला, भाजपा नेता शक्ति सिंह,अभय सिंह,गिरीश पांडे डिप्पुल, चन्द्रप्रकाश गुप्ता,उत्तम बंसल,प्रतिपाल सिंह पाली,अरुण अग्रवाल,आशीष अग्रवाल,करुणाकर पांडे,सुनील पाठक,बबलू मिश्रा,केशव बिगुलर,संजय श्रीवास्तव,रोहित अग्रवाल,राजेन्द्र प्रताप सिंह, उग्रसेन मिश्रा,वेद सिंह कमल, और तमाम पार्षदगण आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।माँ की विशाल शोभायात्रा का राजकीय इंटर कालेज से पूर्व सांसद, महापौर, विधायकगण एवं केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष ने हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ किया शोभायात्रा मे सबसे आगे केन्द्रीय समिति का बैनर, तीन बड़े ध्वज, ब्रास बैन्ड, प्रभु श्री राम, भगवान श्री कृष्ण, गुरुनानक देव, अग्रसेन महाराज, राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं केन्द्रीय समिति के संस्थापक श्रद्धेय श्रीभगवान जायसवाल के चित्रो के बाद हनुमान जी की विशाल प्रतिमा, तत्पश्चात भगवान गणेश, श्रीराम, भगवान शंकर सहित दिव्य एवं मनमोहक झाँकियाँ चल रही थी।शोभायात्रा में मां भगवती की प्रथम प्रतिमा श्री ओम दुर्गापूजा समिति आसरा कालोनी समिति की थी। शोभायात्रा को महिला शक्तिवाहिनी प्रमुख अशोका द्विवेदी,शकुन्तला गौतम और रीना द्विवेदी के नेतृत्व में कंचन दुबे, लक्ष्मी पांडे, काजल पाठक व सुनीता श्रीवास्तव,शशि,प्रज्ञा श्रीवास्तव,पायल जायसवाल आदि सहित महिला शक्तिवाहिनी की टुकड़ी तथा शक्तिवाहिनी प्रमुख रविकान्त आर्य के नेतृत्व मे नागेन्द्र पाण्डेय, पंकज ,सुनील टेकचंदानी, मनोज तिवारी, अनिल सिंह, दिव्यान्शु, हिमांशु, प्रियान्शु, आशुतोष, बृजेश, राजेन्द्र, अशोक, आशीष, आसित व अश्विनी कुमार आदि शक्तिवाहिनी के कार्यकर्ता विशाल विसर्जन यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। सुभाषनगर मे केन्द्रीय समिति के केन्द्रीय कार्यालय पर केन्द्रीय दुर्गापूजा एवं रामलीला समन्वय समिति के संस्थापक श्रद्धेय श्रीभगवान जायसवाल के चित्र पर श्रद्धासुमन एवं पुष्पांजलि अर्पित किया गया।केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने बताया कि कसाबबाड़ा तिराहे पर फरीद कुरैशी आदि द्वारा, मैजेस्टिक टाकीज पर विनय पटेल द्वारा पुष्पवर्षा, चौक एकदरा पर नगर निगम द्वारा माँ की प्रतिमाओ पर पुष्पवर्षा, चौक घण्टाघर पर कमिश्नर राजेश कुमार, पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार,जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुण्डे,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर आदि द्वारा, हट्टी महारानी मन्दिर पर अशोक सहदेव एवं राकेश सहदेव आदि द्वारा, ओरिएंटल बैंक के पास सिंधु सेवा समिति के ओमप्रकाश अंदानी आदि द्वारा, पापुलर गली के पास अनूप मल्होशाहिद और पुलिसकर्मीत्रा एवं उनकी सारी टीम तथा आदि सैकड़ो स्थानो पर पुष्पवर्षा एवं जलपान कराके शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी, एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह, सीओ अरविन्द सोनकर, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पाण्डेय, महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला, महिला उप निरीक्षक प्रिया शाहिद और पुलिसकर्मी सादे व पुलिस वर्दी मे भ्रमणशील रहे।जी०आई०सी० से प्रतिमाओ को क्रमवार निकलवाने के कार्य मे स्थायी रूप से कैम्प किये हुये संजय श्रीवास्तव,तरुण गुप्ता डंपी,साकेत किशोर, मुरलीधर बत्रा आदि जहाँ पसीना बहा रहे थे वहीं पूरे शोभायात्रा मार्ग में अतुल सिंह, रोहिताश चंद राजू, रविन्द्र यादव, रविकांत आर्य,चन्दन गुप्ता, आलोक शंकर, दीपक गौतम, पवन निषाद, अखिलेश पाठक, राजू जायसवाल, बजरंगी साहू,अजय विश्वकर्मा, रंजीत शर्मा, अमित तिवारी, राजेश श्रीवास्तव, विशाल गुप्ता, नागेंद्र पांडे,मनोज तिवारी, पंकज सनाढ्य,कृष्ण कुमार कनौजिया, सुनील मौर्या, अंश गुप्ता,सुधीर कुमार,अक्षत तिवारी,गौरव जयसवाल,विकास यादव,अमित चौहान आदि प्रतिमाओ को आगे बढ़वा रहे थे। विसर्जन घाट पर भंडारा प्रमुख रोहित अग्रवाल के साथ अंकुश गुप्ता, विवेक साहू, शिवजी गौड़, बंटी माखेजा, अखिलेश वैश्य,अखिलेश पाठक,तरुण गुप्ता, मोहित गुप्ता आदि श्रद्धालुओ को भंडारे का प्रसाद वितरण कर रहे थे।शोभायात्रा को गतिशील व अनुशासित बनाए रखने हेतु केन्द्रीय समिति द्वारा जी०आई०सी० के अलावा आठ मेला कैम्प बनाए गए थे जिसमे फतेहगंज चौराहे पर भागीरथ पचेरीवाला,मनमोहन जायसवाल एवं संजय गुप्ता बबलू,अंगद चौरसिया मोतीबाग मे विनय पटेल,शिवकुमार गुप्ता, जितेन्द्र आनन्द चौक घण्टाघर पर जनार्दन पाण्डेय बबलू, विनय प्रकाश तिवारी,सिद्धार्थ महान, आशीष महेन्द्रा, सूरजभान पाल, धनंजय कौशल, दीपक जायसवाल, उपसभापति राजेश गौड़, अंजनी पाण्डेय, दिनेश सिंह,सार्थक जायसवाल, आदि पापुलर गली पर अनूप मल्होत्रा के साथ स्काउट की टीम,रिकाबगंज चौराहे पर मुन्ना यादव,कालीचरण गौड़,सोनू गौड, सहादतगंज हनुमान गढ़ी पर देवेन्द्र अग्रहरी,रामबाबू कसौधन,बबलू शुक्ला,ओमप्रकाश मोदनवाल,ओमीश अग्रहरी एवं नीरज तिवारी आदि शोभायात्रा को गतिमान बनाए रखने मे लगे रहे।विसर्जन स्थल निर्मली कुंड पर सबसे अंतिम प्रतिमा भोर में लगभग 5 बजे के साथ विसर्जन संपन्न हुआ।

संक्षिप्त खबरें

पौधारोपण एवं जरूरतमंद बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरण किया

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय)।

गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती व विजय दशमी के अवसर पर संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल की ओर से हजरतगंज स्थित भारतीय बालिका विद्यालय, सहारागंज रोड पर पौधारोपण एवं जरूरतमंद बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे एवं महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता गुप्ता की अगुवाई में संपन्न हुआ। इस मौके पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री संदीप साहू, प्रदेश अध्यक्ष पारुल मोहन, पटरी

दुकानदार प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल, प्रदेश मीडिया प्रभारी राजकुमार गुप्ता, लखनऊ जिला प्रभारी प्रवीण मणि त्रिपाठी, संतोष श्रीवास्तव, प्राची पांडे, नीतू बाजपेई, रिचा मिश्रा, रेनू चौधरी, नेहा रस्तोगी, रुचि कनौजिया, पारुल गर्ग, इंदिरानगर अध्यक्ष रानू सिंह समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। विद्यालय की जर्जर हालत को देखकर महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता गुप्ता ने प्रिंसिपल से बातचीत की। जानकारी में सामने आया कि विद्यालय में न तो पीने योग्य पानी की सुविधा है और न ही कक्षाओं में पंखे व सही ढंग से बैठने की व्यवस्था। भवन भी काफी जर्जर स्थिति में है। इस पर संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल ने आश्वासन दिया कि संगठन स्वयं विद्यालय की मदद करेगा और प्रदेश सरकार से भी सहयोग लेकर विद्यालय की स्थिति सुधारने का हरसंभव प्रयास करेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे ने कहा कि संगठन का उद्देश्य ही यही है कि जरूरतमंदों की आवाज सरकार तक पहुँचे और समाज की सेवा सर्वोपरि हो।

विजयादशमी को शारदीय नवरात्रि के उपरान्त मां दुर्गा की विदाई

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

शाहाबाद की श्री नव दुर्गा पूजन महोत्सव समिति के द्वारा नौ दिनों के बाद शारदीय नवरात्र के उपरांत विजयादशमी को मां दुर्गा भक्तों को उनकी पूजा–अर्चना का आशीर्वाद देकर विदा हुई। मां की विदाई के पूर्व भक्तों ने मां की प्रार्थना कर उनसे अगले वर्ष पुनरू आने का निवेदन करते हुए आशीर्वाद मांगा। शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन महानवमी तिथि को दुर्गा पूजा पंडाल में मां दुर्गा का हवन, आरती के साथ प्रसाद वितरण किया गया। वैदिक उच्चारण के साथ किए गए हवन–पूजन से पूरे नगर का माहौल भक्तिमय हो गया। पूजा पंडाल में भक्तों की भारी भीड़ भी देखी गई। लोगों ने अपने परिवार के साथ पूजा पंडाल में पहुंचकर मां से सुख–समृद्धि का आशीर्वाद मांगा।

कालीबाड़ी में 'सिंदूर खेला' के साथ मां दुर्गा की भावुक विदाई

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।आईजी रेंज के आईजी प्रवीण कुमार ने नवरात्रि के शुभ

अवसर पर अपने सपरिवार के साथ मंगल आरती कार्यक्रम पर उपस्थित होकर मां का आराधना किया।काली बाड़ी स्थित मां दुर्गा पंडाल में बंगाली परम्परा का संगम देखने को मिला।यहां माता की पूजा के साथ बंगाली महिलाओं ने शसिंदूर खेलाश की भावुक रस्म भी निभाई। दुर्गा पूजा के समापन के बाद अकसर माता पांडालों से आंसुओं के साथ खुशी की मुस्कान का अनोखा संगम देखने को मिलता है।उत्तर प्रदेश में मां दुर्गा को बेटी के समान विदा किया जाता है। लेकिन, रामनगरी अयोध्या धाम के काली बाड़ी में हर बार की तरह इस बार भी बंगाली परम्परा का संगम भी देखने को मिला। यहां माता की पूजा के साथ बंगाली महिलाओं ने शसिंदूर खेलाश की भावुक रस्म भी निभाई। इस परम्परा के तहत महिलाओं ने सिंदूर से होली खेली। इसे सुहाग की लंबी उम्र और पारिवारिक सुख की कामना का प्रतीक माना जाता है। खास बात ये है कि, गुरुवार को आयोजित सिंदूर खेला कार्यक्रम में हर साल की तरह इस साल भी हुई।बता दें।इस परंपरा को न सिर्फ बंगाल की सांस्कृतिक धरोहर माना जाता है, जिसमें हृदयस्पर्शी विदाई का वो क्षण देखने को मिलता है।जहां लाल सिंदूर आंसुओं को रंगीन बना देता है। इस साल का आयोजन श्ऑपरेशन सिंदूरश को समर्पित रहा, जो परंपरा के संरक्षण का संदेश देता है।

जिले भर में लगभग 2150 प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिले में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन गुरुवार देर रात से लेकर शुक्रवार सुबह तक कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुआ। जिले भर में लगभग 2150 प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सभी घाटों पर एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों के साथ स्थानीय गोताखोर भी तैनात रहे, ताकि विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना से बचा जा सके।वही रात में जनपद की केंद्रीय कमेटी दुर्गा पूजा महासमिति की कोतवाली चौराहा स्थित कंट्रोल रूम पर जिलाधिकारी डॉक्टर दिनेश सिंह पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रानंदन सिंह एडीएम अजय अंबष्ट,नगर पालिका परिषद के अधिकारी अधिकारी पवन कुमार क्षेत्राधिकारी शहर देवेश कुमार सिंह ने पहुंच कर जायजा लिया।इसके बाद जिलाधिकार और पुलिस अधीक्षक ने अहियापुर मोड पहुंचकर मां दुर्गा की पूजा अर्चना करने बाद नारियल फोड़कर प्रतिमाओं को हरि झंडी

दिखाई जिसके बाद मां की प्रतिमाएं विसर्जन के लिए रवाना हुई। जिले के सद्भावना पुल के पास विसर्जन घाट पर बने शक्ति कुंड में प्रतिमाओं का विसर्जन सुबह तक चलता है।इस दौरान कमेटी के लोग विसर्जन में लगे रहे। सुबह तक लगभग 400 से अधिक मां की प्रतिमाएं विसर्जित की गई।इसी क्रम में जाफराबाद थाना क्षेत्र के बेलाव घाट और जोगी बीर बाबा के पास सहित विभिन्न स्थानों पर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने देर रात 3 बजे तक सभी दुर्गा प्रतिमा विसर्जन घाटों का लगातार निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र भी पूरी व्यवस्था पर स्वयं निगरानी रख रहे थे। प्रशासन ने बिजली विभाग के अलावा स्वयं भी प्रकाश की व्यवस्था की थी। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बिजली विभाग के अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए थे कि जिन क्षेत्रों से मूर्तियां गुजर रही हैं, वहां की बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में संबंधित लाइनमैन, फीडर मैनेजर और अवर अभियंता जिम्मेदार होंगे।मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किया था और खुद भी लगातार चक्रमण करते रहे।

शिक्षा भवन माध्यमिक में धूमधाम से मनाया गया बापू जी व शास्त्री जी का जन्मोत्सव

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय). संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल कार्यालय लखनऊ में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी व श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया गया इस अवसर पर संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ प्रदीप कुमार,डी डी आर लखनऊ मण्डल रेखा दिवाकर,जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ राकेश कुमार,मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ दिनेश कुमार व शिक्षा भवन माध्यमिक के समस्त स्टाफ ने बापू व शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पांजलि व माल्यार्पण किया

इस अवसर पर संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल डॉ प्रदीप कुमार ने बापू व शास्त्री जी के जीवन मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला,उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि यदि हम सब आज से ही बापू और शास्त्री जी के जीवन मूल्यों का अनुशरण प्रारम्भ कर दें,तो जीवन में ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जिसकी प्राप्ति न कर पाएं,जिस सादगी से बापू और शास्त्री जी ने राष्ट्र के लिए अपने जीवन को न्योछावर किया उनको आने वाली पीढ़ियां कभी भुला नहीं पाएंगी,अन्त में सभागार में उपस्थित सभी ने एक स्वर में रामधुन का पाठ किया। इस अवसर पर उप शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल रेखा दिवाकर,जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ राकेश कुमार,मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल डॉ दिनेश कुमार व शिक्षा भवन माध्यमिक के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन में तहसील तथा जिला इकाई गठन की प्रक्रिया शुरू

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

मोहनलालगंज, लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन (ग्रापए) ने मोहनलालगंज तहसील इकाई के गठन के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस सिलसिले में गंगागंज में जिला मंत्री फुरकान राईन के प्रतिष्ठान पर एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें तहसील इकाई के गठन की जिम्मेदारी अध्यक्ष दिलीप रावत को सौंपी गई। बैठक में ग्रापए के संरक्षक अभिषेक श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जिला अध्यक्ष आर.एल. पाण्डेय ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में तहसील कार्यकारिणी के चार सदस्यों उत्कर्ष सिंह, सतेंद्र प्रजापति, रविन्द्र सिंह और गंगाचरण भारद्वाज को जिला कार्यकारिणी के लिए प्रस्तावित किया गया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। जिला अध्यक्ष आर.एल. पाण्डेय ने बताया कि लखनऊ जिले की सभी तहसीलों में जल्द ही कार्यकारिणी का गठन पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही 12 नवंबर को प्रस्तावित कार्यक्रम की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि लखनऊ इकाई में सभी रिक्त पदों को शीघ्र भरकर नेतृत्व को भेजा जाएगा। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। एसोसिएशन को एडीरा (एआई फॉर डिजिटल रेडीनेस एंड एडवांसमेंट) के सौजन्य से देशभर में पत्रकारों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित करने की स्वीकृति मिली है। यह पहल राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता के मार्गदर्शन और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष अतुल कपूर के प्रयासों से संभव हुई है। इन कार्यशालाओं में पत्रकारों को एआई के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। एडीरा के मास्टर ट्रेनर डॉ. निमिष कपूर पत्रकारों को एआई के माध्यम से समाचार लेखन को और प्रभावी बनाने के गुर सिखाएंगे। इसमें 100 पन्नों की किसी आयोग की रिपोर्ट को एआई की मदद से दो पन्नों में समाचार को संक्षेप रूप लिखना, किसी कार्यक्रम के वीडियो से मिनटों में समाचार तैयार करना और प्रामाणिक आंकड़े व तथ्य शीघ्र एकत्र करना शामिल है। पहली कार्यशाला 11 अक्टूबर 2025 को कर्नाटक में ऑनलाइन आयोजित होगी, जिसमें ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के लगभग 50 सदस्य, मीडिया छात्र और प्रशिक्षु हिस्सा लेंगे। यह दो घंटे की कार्यशाला पत्रकारों को डिजिटल युग में तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी।

भाजपा पूर्व पार्षद पर जानलेवा हमला,गोली चलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के रामघाट चौराहे पर गुरुवार को विसर्जन के दिन देर शाम भाजपा के पूर्व पार्षद और अधिवक्ता आलोक सिंह पर किसी बात को लेकर आरोपी ने गोली मार दी।यह खबर फैलते ही पुलिस प्रशासन से लेकर आसपास के इलाकों में हड़कंप बच गया। स्थानीय लोगों का उनके करीबियों ने आनंद–पणन में उन्हें गंभीर अवस्था में श्री राम चिकित्सालय लेकर आए और जहां से उन्हें गंभीर अवस्था में चिकित्सकों ने लखनऊ हाय सेंटर के लिए रेफर कर दिया वही गोली चलाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ करने में जुट गई।पुलिस के मुताबिक पूर्व पार्षद व अधिवक्ता आलोक सिंह पर गोली चलाने वाले आरोपी की पहचान लवकुश नगर कॉलोनी निवासी मोहित पांडे पुत्र मधुसूदन पांडे के रुप मे हुई है।चर्चा है कि आरोपी मोहित पांडे ने आलोक सिंह को दो गोलियां मारीं।गोली उनके सिर और कंधे पर लगी।जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के रामघाट चौराहे पर पूर्व पार्षद व अधिवक्ता आलोक सिंह अपनी कमेटी के सदस्यों के साथ मूर्ति विसर्जन के लिए दुर्गा पंडाल से रामघाट चौराहे पर पहुंचे ही थे,तभी डीजे की तेज आवाज का फायदा उठाकर मोहित पांडेय ने उन पर फायरिंग की।घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।घायल आलोक सिंह को तत्काल दशरथ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर किया गया।जानकारी के अनुसार, घटना के पीछे प्रॉपर्टी डीलिंग को लेकर उनके सहयोगियों के साथ चल रही तनातनी सामने आ रही है। पुलिस मामले की हर पहलू की जांच में जुटी हुई है और आरोपी से पूछताछ जारी है।एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

बहराइच से मध्य प्रदेश पन्ना धाम जा रही श्रद्धालुओं से भरी बस लखनऊ वाराणसी फोरलेन पर पलटी, 35 यात्री घायल

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। जिले के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के लोहरामऊ ओवर ब्रिज पर आज भोर में ही श्रद्धालुओं से भरी प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर पलट गई, बस में सवार 23 महिलाओं समेत 35 लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद यात्रियों की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने बस में फंसे यात्रियों को शीशा तोड़कर निकालकर ईलाज के लिए स्थानीय राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। बस पर सवार यात्रियों ने बताया कि बहराइच जिले के पयागपुर थाने रामनगर खजुरी,वैनी,मुरली तारा गांव के 62 यात्री मध्यप्रदेश पन्ना धाम जा रहे थे,इनका तीन दिवसीय तीर्थाटन था,रात में सभी यात्री घर से निकले थे,आज भोर में बस सुल्तानपुर बाईपास के लोहरामऊ ओवर ब्रिज पर चढ़ ही रही थी कि नींद आने के कारण बस पुल से नीचे पलट गई,यात्री बस के अंदर फंस गए थे,स्थानीय लोग व पुलिस की मदद से घायल यात्रियों को स्थानीय राजकीय मेडिकल ले जाया गया जहां पर इलाज के उपरांत उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने सभी यात्रियों को सरकारी बस से उनके घर वापस भेज दिया है।

महिला उप निरीक्षक मंजू देवी व उनकी टीम ने महिलाओं व बालिकाओं को मिशन शक्ति के बारे में किया जागरूक

अयोध्या। शुक्रवार को उदासीन आश्रम विशाल कलश यात्रा निकाली गई।इस मौके पर कोतवाली अयोध्या में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज शर्मा के नेतृत्व मे उप निरीक्षक मंजू देवी व उनकी महिला पुलिस टीम ने वहां पर मौजूद महिलाओं तथा बालिकाओं को मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के बारे मे

बताया।वहां पर मौजूद महिलाओं तथा बालिकाओं को केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया।उन्होंने खासकर मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला और हेल्पलाइन नंबर के बारे में जागरूक किया और महिला से संबंधित सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, ऑपरेशन कवच, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध के बारे में जागरुक किया गया।महिला संबंधी अपराध और उनसे कैसे बचें इस विषय में भी जागरूक किया गया।बालक बालिकाओं को अपराध से बचने की सीख दिया।इस मौके पर उनके अलावा थाना कोतवाली अयोध्या मे तैनात उप निरीक्षक मनीषा सिंह चौहान, ,महिला हेड कांस्टेबल शिल्पी सिंह, दिव्यांशी चौहान, अलका शाक्य द्वारा मिशन शक्ति अभियान चलाया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।